।। श्री साईंनाथ।।
श्री नवरात्रि पूजन विधि

श्री साई शके 43–44

आवश्यक सामग्री – 1. चावल धोकर सुखाऐं।
2. गोमूत्र या हल्दी कुमकुम को पानी में मिलाऐं।
3. आम के पत्तों का बंदनवार या तोरण बनाऐं।
4. पंचामृत (कच्चा दूध, दही, घी, शहद, और चीनी)।
5. सादे पान के पत्ते (डंठल व नोक साहित) विडे के लिए।
6. साबुत सुपारी, पानी वाला श्रीफल (नारियल) और रू 11/-।
7. शुद्ध घी उद् बती (देशी घी की ज्योत और अगरबत्ती)।
8. प्रतिमाओं के लिए तांबे या चांदी का तामन।

<u>22.09.2025</u> <u>की सुबह –</u>

1. घटस्थापना (नवरात्र अनुष्ठान) की जगह तथा पुरे घर में गोमूत्र या हल्दी कुमकुम पानी में डालकर 3 पान या आम के पत्तों से या फूल से घर में सिंचन करें।
2. मुख्य दरवाजे पर आम के पत्तों की बंदनवार लगाऐं तथा रंगोली बनाईये।
3. अनुष्ठान (पूजा) की जगह गोमूत्र से पोंछें तथा जमीन पर हल्दी कुमकुम से स्वास्तिक 卐 बनाऐं और उस पर लकड़ी का पाटा रखें। पाटे के चारो ओर रंगोली बनाऐं।
4. पाटे पर हल्दी कुमकुम से स्वास्तिक 卐 बनाऐं।
5. एक तामन में सूखे हुए चावल फेलाकर रखें।
6. चावलों पर हल्दी कुमकुम से पृथ्वी तत्व ✡ बनाऐं।
7. पाटे पर बने स्वास्तिक 卐 पर इस तामन को रखें।
8. आपको दी हुई प्रतिमा या प्रतिमाऐं और नारायणी (तांबे की) प्रतिमा को पंचामृत और पानी से स्नान कराकर अष्टागंध हल्दी कुमकुम लगाऐं। तामन में चावलों के ऊपर बने पृथ्वी तत्व ✡ पर इनकों नीचे लिखे क्रमानुसार बिठाऐं।

88	ॐ	श्री	✡
श्री साई शके	**श्री कारण**	**श्री महाकारण**	**श्री नारायणी**

9. जिनके पास बाबा का आसन और ताबें का ताक है वह भी पंचामृत और पानी से प्रतिमाओं के साथ स्नान कराकर रखें।
10. एक विड़ा (रू 11, एक श्रीफल, दो पान के पत्ते व एक साबुत सुपारी के साथ) सीधे हाथ की तरफ रखें। बाद में उदबत्ती, देशी घी की ज्योत दिखाकर, दूध चीनी मिलाकर नैवेद्य करें।
11. एक और विड़ा सिर्फ दो पान के पत्ते व एक साबुत सुपारी के साथ रू 150 कुलधर्म और कुलाचार के लिए अनुष्ठान के साथ रखे, और कुलधर्म और कुलाचार की प्रार्थना पढ़ें। तथा इस विडे को दूसरे दिन के सुबह केंद्र पर, लिफाफे में रखकर परिवार मुखिया का नाम लिख कर नए पान के पत्तों के साथ रखें।

कुलधर्म और कुलाचार की प्रार्थना :– गुरु आज्ञा से जो कुलधर्म कुलाचार हमें परिवार में करने थे या जो कुलधर्म कुलाचार करना हमारे लिए क्रमप्राप्त(आवश्यक) था उस कुलधर्म कुलाचार के प्रति जो रकम हमने खर्च की होती वह रकम खर्च न करके, हम परिवार के सदस्य अब गुरुमार्गी होने के कारण उस रकम का विनियोग (खर्च) सत्कारण के लिए करना यह हमने निश्चित किया है। आप सब देव देवताओं हमारी यह सेवा मान्य कीजिए और आप मुझे और मेरे परिवार के सदस्यों को कृपाशीर्वाद दीजिए यह आपके चरणों में विनम्र प्रार्थना। ।।

शुभम् भवतु।।

12. इसके बाद आरती करें – आरती साईबाबा, आरती अवधूता, इत्यादि। फिर मंगलाचरण (सःजयति सिन्दूर बदनो) श्री शक्तिपीठ प्रार्थना व दैनंदिन प्रार्थना के बाद 21 बार महामंत्र (सर्वमंगलमांगल्ये) करें।

13. शाम को अगरबत्ती देशी घी की ज्योत, दूध चीनी का नैवेद्य करने के बाद मैं इच्छानुसार कोई एक दो या तीन आरतियाँ कीजिए। अष्टमी तक इन प्रतिमाओं को अपनी जगह से न हिलाऐं न उठाऐं।

14. रोज सुबह को पुराने फूल उतार कर नए फूल पर अष्टगंध हल्दी कुमकुम लगाकर रखिए और ऊपर बताई गई पूजा करिये।

30.09.2025 – अष्टमी को 21 रूपये का विड़ा (बगैर श्रीफल के) पहले दिन रखे विडे (रू 11 वाले) के साथ रखें।

01.10.2025 – नवमी के दिन चारों प्रतिमाओं व ताक को उठाकर पानी तथा पंचामृत से स्नान कराकर तामन पर वापस रखें और नए फूल पर अष्टगंध हल्दी कुमकुम लगाकर ऊपर बताई गई पूजा कीजिए।

02.10.2025 गुरुप्रसाद ग्रंथ मुलाकात की कापी पेन मोटर स्कूटर आदि का पूजन करें। काकड़ आरती सिर्फ विजय दशमी पर होगी। श्री जगतगुरु साईनाथ महाराज की पुण्यतिथि का उत्सव व आरती प्रातः 9 बजे होगी। सभी गुरुभक्त परिवार ईष्ट-मित्रों सहित पधारें और श्री साई शके 44 का शुभ आशीर्वाद प्राप्त करें।

02.10.2025 – श्री साई शाके 44 का शुभारंभ तथा शुभकामनाऐं।

03.10.2025 – अनुष्ठान उठा दें तथा प्रतिमाओं को स्नान कराकर उनको वापस देवस्थान की जगह रखे। श्रीफल का प्रसाद बनाऐं तथा अक्षता चावल को रसोई में चावलों के बर्तन के नीचले भाग में सदा रखा रहने दें। सारे विड़े और पैसे, पान के नए पत्तों के साथ केंद्र पर परमपूज्य बाबा के चरणों में अर्पण करें।

नोट :– दीपावली का अनुष्ठान भी ऊपर बताई गई विधि के अनुसार 21.10.2025 की शाम को 06:11 के बाद 08:40 तक लगाऐं। एक (रू 11) का विड़ा (एक श्रीफल, दो पान के पत्ते व एक साबुत सुपारी के साथ) लगाऐं। दूसरे दिन अनुष्ठान उठा दें तथा प्रतिमाओं को स्नान कराकर उनको देवस्थान की जगह रखें। श्रीफल, अक्षता, विड़ा और पैसे को उपरोक्त विधि से उपयोग करें।

22.10.2024 दीपावली पड़वा की आरती प्रातः 9 बजे होगी।

शुभम् भवतु

श्राद के दिन 08.09.2025 से 20.09.2025 तक हर परिवार अपने सात पीढ़ियों के अन्नदान के लिए 150 रुपये बालाकुंद्री को मनी आर्डर करें। वहाँ से भेजा हुआ प्रसाद विसर्जन कर दें। जो व्यक्ति डायरेक्ट ट्रांसफर करना चाहते है वह पैसे Sri Govind Pant Anndan Mandal, Balekundri Post-Kshetra Balekundri, Tehsil+District Belagavi, Belgaum– 591103 के नाम से Canara Bank: A/c No. 05402200065060 IFSC Code: CNRB0010540 में कर सकते हैं

काकड़ आरती पहला नवरात्र 22.09.2025 और विजय दशमी 02.10.2025 पर सुबह 5:30 बजे होगी। सभी गुरुभक्त सपरिवार, इष्ट मित्रों सहित आमंत्रित हैं।

गुरु आज्ञा से